हक़दारी हवा की

बिहार में सीड के क्लीन एयर कैंपेन का सफरनामा

वर्षों की कोशिश और नए अभियान की शुरुआत

पिछले कई वर्षों के लगातार प्रयास के कारण हम बिहार में वायु प्रदूषण की स्थिति में कुछ सार्थक बदलाव लाने में कामयाब हुए हैं. यहां हम उन कार्यों के बारे में विस्तार से बतायेंगे, जिसके जरिए हवा को स्वच्छ रखने में मदद मिली और पटना, गया, और मुजफ्फरपुर जैसे शहरों के लिए क्लीन एयर एक्शन प्लान (स्वच्छ वायु कार्य योजना) तैयार किया गया.

सीड का क्लीन एयर कैंपेन (2015–2020) : चुप्पी तोड़ना और नई पहल लेना

पटना, गया और मुजफ्फरपुर के लिए स्वच्छ वायु कार्य योजना तैयार किए हुए एक वर्ष से ज्यादा का समय हो गया, और सीड को क्लीन एयर कैंपेन का अंतरिम लक्ष्य प्राप्त किए हुए भी इतना समय हो चुका है. चार साल से अधिक समय तक लगातार मुहिम चलाने के बाद इस लक्ष्य की प्राप्ति हुई है.

दरअसल वर्ष 2014 में वायु प्रदूषण पर बहस की शुरुआत हुई जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने "ग्लोबल एम्बिएंट एयर क्वालिटी डाटाबेस" जारी किया और 2015 में इससे जुडी बहस ने रफ्तार पकड़ी. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पटना को दुनिया का दूसरा सबसे अधिक प्रदूषित शहर बताया. लेकिन तब भी राज्य में इस पर चर्चा नहीं हुई. राष्ट्रीय स्तर पर जरूर कुछ चर्चाएं हुई, लेकिन बिहार में ज्यादा बात नहीं बढ़ी. इस चुप्पी और वायु प्रदूषण की भयावहता को देखते हुए सीड ने 2015 में डीजल जेनरेटर द्वारा हो रहे वायु प्रदूषण पर एक रिपोर्ट जारी की और स्वच्छ हवा के लिए बहस की शुरुआत की. रिपोर्ट को सराहा गया और सीड ने कुछ ही समय बाद एयर क्वालिटी बुलेटिन श्रृंखला की पहली रिपोर्ट जारी की. और यहाँ से "स्वच्छ हवा" के लिए सीड की मुहिम की शुरुआत हुई.

हवा एक प्राकृतिक और सर्वव्याप्त संसाधन है और स्वच्छ हवा के अधिकार को पाने के लिए सभी स्टेकहोल्डर्स (हितधारकों) का सहयोग जरुरी है और आम जनता द्वारा स्थिति की गंभीरता को समझना जरुरी है. इसलिए इस मुहिम में नीति निर्मा. ताओं, सरकारी एजेंसियों, बच्चों, गैर सरकारी संस्थाओं, मीडिया, गृहणी, शैक्षणिक संस्थानों और रिक्शा चलाने वालों को जोड़ा गया.

स्वच्छ वायु अभियान की सफलता

अलग–अलग मुहिमों के जरिए हम लाखों लोगों तक पहुंचने में कामयाब रहे और सीड द्वारा आयोजित एक नेशनल कांफ्रेंस में बिहार के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने पटना में पांच और एयर मॉनिटरिंग स्टेशन लगाने और क्लीन एयर एक्शन प्लान बनाने की घोषणा की. ये घोषणा साफ हवा के हमारे अभियान की पहली सफलता थी.

क्लीन एयर कैंपेन पटना, गया और मुजफ्फरपुर को नेशनल क्लीन एयर एक्शन प्लान में शामिल करना में भी सफल रहा. जनवरी 2019 में जब इस राष्ट्रीय कार्य योजना की घोषणा हुई थी. तब इसमें बिहार के किसी शहर को जगह नहीं मिली थी. बाद में सीड के लगातार प्रयासों के माध्यम से बिहार के तीन शहरों को इसमें शामिल कराने में सफलता मिली. सीड ने कई कार्यक्रम चलाए और स्वच्छ वायु कार्य योजना की मांग को जोरदार तरीके से उठाया. इन कार्यक्रमों में वायु प्रदूषण के सभी स्रोतों को शामिल किया गया.

एक कारवाँ, जिससे लाखों लोग और उनकी उम्मीदें जुड़ती गयीं

35

लाख से ज्यादा लोगों को कैंपेन में जोड़ा गया, क्लीन एयर से संबंधित मांगों पर ठोस अमल और आवाज उठाने के लिए

10

लाख से ज्यादा पिटीशन (याचिका) इकठ्ठा किए गए 2000 से अधिक रिक्शा चालकों के जरिए.
स्वच्छ ईंधन कार्यक्रम के तहत 25,000 घरों से पिटीशन एकत्रित.

150+

पब्लिक आउटरीच गतिविधियां लोगों को क्लीन एयर के प्रति जागरूकता प्रसार के लिए, जिसमे 100 से अधिक गैर सरकारी संस्थाओं तक पहुँच

50+

से ज्यादा वर्कशॉप, सेमिनार, और कॉन्फ्रेंस का आयोजन क्लीन एयर के समर्थन में एक मजबूत नैरेटिव स्थापित करने के लिए

50+

से अधिक चिकित्सकों को जोड़ कर एक डॉक्टर्स ग्रुप बनाया गया. जन–स्वास्थ्य को नीति–निर्माण में सर्वोपरि प्राथमिकता देने की मांग रखी गयी.

30+

एयर पॉल्यूशन बुलेटिन जारी किए गए. क्लीन एयर के पक्ष में डाटा और साइंस के जरिये कम्युनिटी और सिटीजन्स को जागरूक और सूचना–संपन्न बनाया गया

10+

रिसर्च रिपोर्ट्स के जरिए क्षेत्रवार प्रदूषण स्रोतों की पड़ताल और इनसे संबंधित समाधान को मुख्यधारा की बहस में लाया गया

5

एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन की स्थापना, वायु प्रदूषण के आंकड़ों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए

लेकिन यह नाकाफी रहा!

हक़दारी हवा की!.... एक नया सिटिजन कैंपेन!

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत बिहार के तीन शहरों के लिए कार्य योजना तैयार की गई है. कार्य योजना में जिम्मेदारियों और समय का निर्धारण कर दिया गया है. लेकिन यह पर्याप्त नहीं है, क्योंकि ठोस तरीके से पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए इस कार्यक्रम को लागू करना महत्वपूर्ण है. पिछले कई कार्यक्रम जैसे '42 एक्शन पॉइंट' और दिल्ली के लिए 'कॉम्प्रीहेंसिव क्लीन एयर एक्शन प्लान' प्रभावी नहीं हुए और लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हुई.

बिहार में क्लीन एयर एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिए सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) ने एक नए अभियान "हकदारी हवा की" को शुरू किया है. इसके माध्यम से आम जन की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी.

यह मुहिम वायु प्रदूषण पर बहस और चर्चा के द्वारा "स्वच्छ हवा में सांस लेने का अधिकार" (राइट टू ब्रीद) के लिए कार्य करेगा.

इस कार्यक्रम से विभिन्न समूहों को जोड़ा जाएगा ताकि निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति हो सकें:

1. **क्रियान्वयन की गति बढ़ाना:** स्वच्छ वायु कार्य योजना के समय पर कार्यान्वयन की मांग को तेज करना
2. **हर व्यक्ति को सशक्त करना:** स्वच्छ वायु कार्य योजना की प्रगति और बिहार के दूसरे शहरों की वायु प्रदूषण की स्थिति पर नजर बनाये रखने के लिए एक मंच स्थापित करना
3. **मॉनिटरिंग करना:** एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग को बढ़ाना और अधिकारियों के साथ कार्य करना तथा नागरिकों को सूचना–संपन्न करना
4. **क्षमतावर्धन:** कार्य योजना के क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों और अन्य महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर्स का क्षमतावर्धन करना और उन्हें सशक्त करना

अधिक जानकारी के लिए देखें:

www.ceedindia.org | info@ceedindia.org

https://www.facebook.com/CEEDIndia.org https://twitter.com/CEED_India

Head Office:
CoWrks, Worldmark 1, Asset Area 11, Aerocity, Hospitality District, IGI Airport, NH-8, New Delhi-110 037

Project Office:
Patna - Ranchi - Lucknow

सीड : परिचय

सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) एक नॉन–प्रॉफिट एनजीओ है, जो क्लीन एयर, क्लीन एनर्जी और पब्लिक हेल्थ की दिशा में स्मार्ट और सस्टेनेबल सोल्यूशंस उपलब्ध कराता है. यह संस्था रिसर्च–स्टडी, कैपेसिटी बिल्डिंग, ट्रेनिंग और पब्लिक कैंपेन के जरिये पर्यावरण और ऊर्जा को बेहतर करने के क्षेत्र में नागरिकों और अन्य स्टेकहोल्डर्स को बेहतर कदम उठाने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करती है. यह संस्था सरकारी विभागों एवं एजेंसियों के साथ–साथ नीति–निर्माताओं, उद्योग और बिजनेस जगत, निजी क्षेत्र, विश्वविद्यालयों, थिंक टैंक, सिविल सोसाइटी संगठनों और आम नागरिकों के साथ मिल कर बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और झारखण्ड में कार्यरत है.